लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी 04:14 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 263, पृष्ठ 14, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 7 अगस्त 2023

www.amritvichar.com

सत्ता संघर्ष को दर्शाता है नाटक तख्त

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को इंदिरा पार्थसारथी कृत और शाहिद अनवर द्वारा अनुवादित नाटक तख्त का मंचन अखिलेश नारायण के निर्देशन में किया गया। नाटक में शाहजहां के बेटों के बीच दांवपेच, संबंध, सत्ता संघर्ष को दिखाया गया है।

नाटक मुगल शासन के उस दौर को पेश करता है, जब वर्ष 1657 में शाहजहां बड़े बेटे दारा शिकोह को बादशाह बनाने का एलान करता है। शाहजहां जब बीमार पड़ने लगा तो उसके चारों बेटे दारा, शुजा, मुराद और औरंगजेब के बीच तख्त पाने की जंग शुरू हो जाती है। इसमें असली जंग दारा और औरंगजेब के बीच थी। यह जंग तख्त ही नहीं ख्वाबों और विचारों की भी थी।आखिर में औरंगजेब तख्त हथिया लेता है और शाहजहां और जहांआरा को बंदी बना लेता है। अंत में औरंगजेब खुद से जंग करता नजर आता है, जहां उसे अपनी जिंदगी का कट्टरपन दिखाई देता है। वह खुद को कई लोग के कत्ल का दोषी मानता है। अखिलेश नारायण, सुमित गौढ़, परमजीत, जागृति संपूर्ण, हेमलता पांडे, जय सिंह रावत, प्रियंका भारती, समीर कुरैशी, नितिन, साक्षी शर्मा ने भूमिकाओं में सशक्त अभिनय किया। इस मौके पर शैलेष कुशवाहा, आदेश नारायण, महेश नारायण, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ.एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।

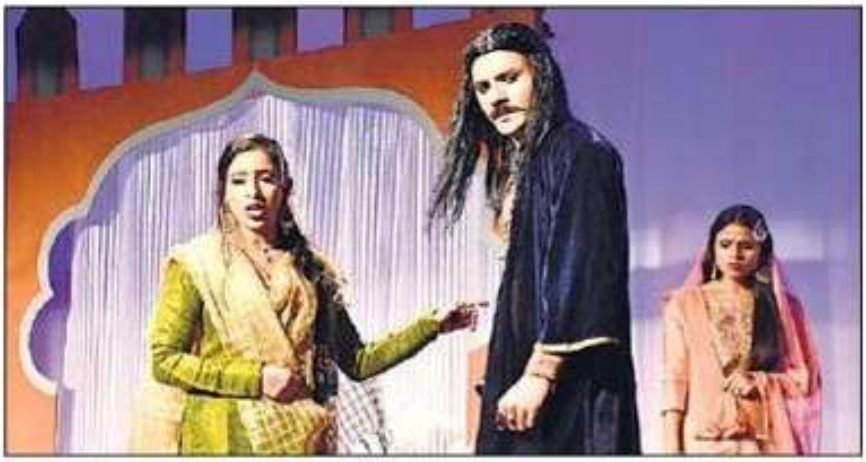

रिद्धिमा में नाटक तख्त का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

● **रिद्धिमा में कलाकारों ने नाटक में किया शानदार अभिनय**

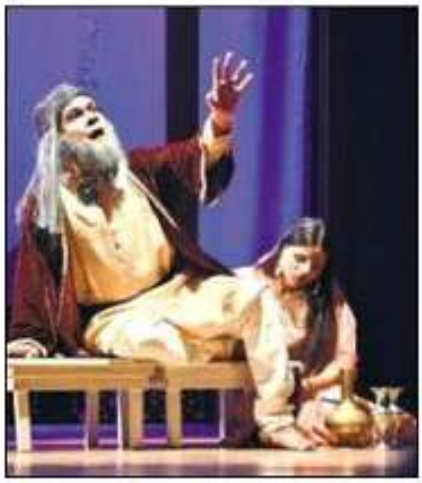

अभिनय करते कलाकार।